भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं-1770**

04/08/2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

**आयुष अनुसंधान एवं एकीकृत स्वास्थ्य देखरेख**

1770. श्री महेंद्र भट्ट:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ आयुष प्रणालियों के एकीकरण को बढ़ावा देने तथा आयुष आधारित अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए कौन-कौन से कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं; और

(ख) तत्संबंधी प्रमुख परिणाम क्या-क्या हैं?

**उत्तर**

**आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

**(श्री प्रतापराव जाधव)**

(क) और (ख): भारत सरकार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं के सह-स्थापन की कार्यनीति अपनाई है, इस प्रकार रोगियों को एक ही स्थान पर विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों हेतु विकल्प चुनने में सक्षम बनाया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयुष डॉक्टरों/पैरामेडिक्स की नियुक्ति और उनके प्रशिक्षण का समर्थन किया जा रहा है, जबकि आयुष मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के तहत आयुष अवसंरचना, उपकरण/फर्नीचर और दवाओं के लिए सहायता साझा जिम्मेदारियों के रूप में प्रदान की जा रही है। दिनांक 31.12.2025 के एनएचएम-एमआईएस डेटाबेस के अनुसार देश भर में 6302 पीएचसी, 3191 सीएचसी और 475 डीएच को सह-स्थापित किया गया है।

इसके अलावा, आयुष मंत्रालय ने संस्थागत तंत्र, नैदानिक प्रथाओं के मानकीकरण, क्षमता निर्माण, अनुसंधान सहयोग और सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल के माध्यम से मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा के साथ आयुष पद्धतियों के साक्ष्य-आधारित एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए एक बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाया है। आयुष वर्टिकल को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में आयुष के एकीकरण की आयोजना, निगरानी और आसान बनाने के लिए संस्थागत तंत्र के रूप में स्थापित किया गया है। निम्नलिखित गतिविधियां की गई हैं:-

- सफदरजंग अस्पताल और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में एकीकृत आयुष विभाग और विस्तारित आयुष ओपीडी स्थापित किए गए हैं।
- छह सामान्य मस्कुलोस्केलेटल विकारों (2024) और पांच सामान्य चयापचय विकारों (2025) के लिए साक्ष्य-सूचित मानक उपचार दिशानिर्देश (एसटीजी) विकसित किए गए हैं, और राष्ट्रीय मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, इसके बाद राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में व्यापक प्रशिक्षण दिया गया है।

- आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और आयुष अस्पतालों के लिए भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों (आईपीएचएस) को सार्वजनिक स्वास्थ्य पद्धति के भीतर अवसंरचना, मानव संसाधन और सेवा वितरण अपनाने के लिए मानकीकृत करने हेतु विकसित किया गया है।
- आयुष कॉलेजों में तंबाकू उन्मूलन केंद्रों की स्थापना के लिए परिचालन दिशानिर्देश राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत विकसित किए गए हैं, और 450 से अधिक आयुष कॉलेजों ने तंबाकू मुक्ति केंद्र स्थापित किए हैं।
- राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के समन्वय से हीट वेव और एमपॉक्स (मंकीपॉक्स) पर आयुष सार्वजनिक स्वास्थ्य सलाह प्रकाशित की गई है।

इसके अलावा, आयुष को आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ एकीकृत करने के लिए आयुष मंत्रालय के तहत अनुसंधान परिषदों और राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा की गई पहलों का विवरण **संलग्नक** पर दिया गया है।

*****

**संलग्नक**

**आयुष मंत्रालय के तहत, अनुसंधान परिषदों और राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ आयुष के एकीकरण के लिए की गई पहलों का विवरण**

| क्र.सं. | अनुसंधान परिषद/राष्ट्रीय संस्थान | संस्थान की पहलों का विवरण |
|---|---|---|
| 1. | केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) | सीसीआरएएस ने ऑस्टियोआर्थराइटिस (घुटने) के प्रबंधन के लिए एक तृतीयक देखभाल अस्पताल (सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली) में आयुर्वेद को आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ एकीकृत करने की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए परिचालन अध्ययन, हिमाचल प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (पीएचसी) स्तर पर राष्ट्रीय प्रजनन और बाल स्वास्थ्य सेवाओं में भारतीय चिकित्सा पद्धति (आयुर्वेद) को शुरू करने की व्यवहार्यता और राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदयवाहिका रोग एवं आघात की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) में आयुष पद्धतियों का एकीकरण और महाराष्ट्र के चयनित जिले (गढ़चिरौली) के पीएचसी में प्रजनन और बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) में आयुर्वेद उपचार शुरू करने की व्यवहार्यता जैसे शोध अध्ययन (प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर पर प्रसवपूर्व देखभाल उपचार (गर्भिणी परिचर्या) पर एक बहु केंद्र परिचालन अध्ययन) किए हैं। इसके अलावा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और सीसीआरएएस ने आईसीएमआर की एक्स्ट्रा म्यूरल रिसर्च स्कीम के तहत एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल पर ध्यान केंद्रित करते हुए पहचाने गए क्षेत्रों पर अनुसंधान करने के लिए एम्स में आयुष-आईसीएमआर एडवांस्ड सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव हेल्थ रिसर्च (एआई-एसीआईएचआर) स्थापित करने की पहल की है। |
| 2. | केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) | सीसीआरयूएम ने डॉ. आरएमएल अस्पताल, डॉ. डीडीयू अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली और जेजे अस्पताल, मुंबई में चार पुनर्वास केंद्र स्थापित किए हैं। यूनानी चिकित्सा को एकीकृत करने और बढ़ावा देने के लिए परिषद ने आधुनिक शैक्षणिक/अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोगात्मक परियोजनाएँ भी शुरू की हैं। |
| 3. | केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) | सीसीआरएच एकीकृत चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग और सहकारिता के साथ अनुसंधान करके होम्योपैथी को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा के साथ जोड़ने की दिशा में काम कर रही है। परिषद ने सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, नई दिल्ली, दिल्ली छावनी जनरल अस्पताल, नई दिल्ली, बीआरडी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, सिविल अस्पताल, आइज़ोल, मिजोरम और जिला अस्पताल, दीमापुर, नागालैंड में विभिन्न नैदानिक स्थितियों पर उपचार प्रदान करने के लिए एलोपैथिक अस्पताल में होम्योपैथी उपचार केंद्र की सह-स्थापना की है। परिषद ने होम्योपैथी में एनपीसीडीसीएस कार्यक्रम का एकीकरण, स्वास्थ्य रक्षण कार्यक्रम (एसआरपी), 'स्वस्थ दांत निकलने के लिए होम्योपैथी' कार्यक्रम, जो 'स्वस्थ बच्चे और अनुसूचित जाति (एससी) के लिए होम्योपैथी' घटक योजना का एक घटक है, जैसे विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को शुरू करके होम्योपैथी को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था से जोड़ने की पहल भी की है। |
| 4. | केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) | सीसीआरएस ने आधुनिक उपचारों के साथ-साथ आयुष उपचारों की प्रभावकारिता और सुरक्षा को प्रमाणित करने हेतु वैज्ञानिक अनुसंधान और नैदानिक परीक्षणों को प्रोत्साहित करके सिद्ध प्रथाओं को आधुनिक स्वास्थ्य |

| | | |
|---|---|---|
| | | सेवा प्रणाली के साथ एकीकृत करने की पहल की है। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान परिसर और सफदरजंग अस्पताल में सिद्ध कैंसर ओपीडी, सीसीआरएस के अंतर्गत सिद्ध नैदानिक अनुसंधान इकाई, सफदरजंग, नई दिल्ली द्वारा सिद्ध पद्धति के माध्यम से कैंसर रोगियों की उपशामक देखभाल में सहायता प्रदान करते हुए, एकीकृत सिद्ध कैंसर ओपीडी कार्यशील है। सीसीआरएस ने कैंसर प्रबंधन, प्रजनन एवं शिशु देखभाल और पुनर्योजी चिकित्सा के लिए सहयोगी अनुसंधान गतिविधियाँ शुरू करने हेतु एम्स, ऋषिकेश के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। |
| 5. | केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन) | सीसीआरवाईएन देश भर में हृदय गति रुकने पर बहु-केन्द्रित अध्ययन परियोजना पर आईसीएमआर टास्क फोर्स का एक हिस्सा है। |
| 6. | अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) | एआईआईए, नई दिल्ली में, एकीकृत आयुष चिकित्सा केंद्र (यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी), एकीकृत कैंसर चिकित्सा केंद्र, एकीकृत दंत चिकित्सा केंद्र, एकीकृत क्रिटिकल केयर और आपातकालीन चिकित्सा केंद्र, एकीकृत अस्थि रोग केंद्र, एकीकृत आहार विज्ञान और पोषण केंद्र और दुर्घटना ओपीडी अनुभाग के तहत एकीकृत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हैं। सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में एकीकृत चिकित्सा सेवा इकाई, एम्स झज्जर में एकीकृत चिकित्सा सेवा इकाई और राष्ट्रीय कैंसर संस्थान- एम्स, झज्जर में एकीकृत ऑन्कोलॉजी केंद्र में स्थापित सैटेलाइट नैदानिक सेवा इकाइयों के माध्यम से भी एकीकृत सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इसके अलावा, एआईआईए और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय कैंसर निवारण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईसीपीआर-आईसीएमआर) के संयुक्त उद्यम के रूप में, एआईआईए, नई दिल्ली में एक एकीकृत ऑन्कोलॉजी केंद्र (सीआईओ) की स्थापना की गई है। आयुष जर्नल ऑफ इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी (एजेआईओ) का प्रकाशन एआईआईए स्थित एकीकृत ऑन्कोलॉजी केंद्र (सीआईओ) से किया जा रहा है। इस संस्थान में आयुर्वेद के वैश्विक प्रचार और अनुसंधान के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग केंद्र भी है। |
| 7. | आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) | आईटीआरए आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ एकीकृत अनुसंधान करता है। |
| 8. | राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान (एनआईएस) | सिद्ध चिकित्सा पद्धति में एकीकृत अनुसंधान को बढ़ावा देने और चेट्टीनाड अस्पताल एवं अनुसंधान संस्थान (सीएचआरआई) में आने वाले रोगियों को सिद्ध उपचार प्रदान करने के लिए एनआईएस ने चेट्टीनाड अनुसंधान शिक्षा अकादमी (सीएआरई) के साथ मिलकर केलमबक्कम में एक उन्नत सिद्ध विशेषज्ञ ओपीडी का उद्घाटन किया। एनआईएस, कर्नाटक के मणिपाल स्थित मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी (एमएएचई) के एकीकृत चिकित्सा अनुसंधान केंद्र में एक विशेषज्ञ एकीकृत पारंपरिक सिद्ध चिकित्सा ओपीडी (एसआईएसएमओ) का संचालन कर रहा है। इसके अलावा, एनआईएस ने कैंसर रोगियों को एकीकृत उपचार प्रदान करने के लिए एक सिद्ध एकीकृत कैंसर देखभाल केंद्र (एस-आईसी केयर सेंटर) आरंभ किया है। |
| 9. | मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) | एमडीएनआईवाई 2013 से लगातार चौथी बार पारंपरिक चिकित्सा (योग) के लिए डब्ल्यूएचओ का सहयोगी केंद्र है। एमडीएनआईवाई दिल्ली के सरकारी आधुनिक चिकित्सा अस्पताल में 4 योग केंद्र और दिल्ली एनसीआर में 20 सीजीएचएस वेलनेस केंद्रों में योग की निवारक स्वास्थ्य देखभाल इकाई चला रहा है। |